

झारखंड विस चुनाव की तैयारियों के बीच चिंता में कांग्रेस

■ लोकसभा चुनाव का ही नहीं, 2019 का प्रदर्शन दोहराने की है बड़ी चुनौती

■ अपनी सीटें बचा ले गयी कांग्रेस, तो यही उसकी बड़ी कामयाबी मानी जायेगी

■ 13.88 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करना भी कांग्रेस के लिए नहीं होगा आसान

लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद अब झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गयी हैं। राजनीति कदमों के भीतर खड़े दलों ने इसको लेकर रणनीति बनायी जाने लगी है। झारखंड में विधानसभा चुनाव का लोकसभा के चुनाव से पूरी तरह अलग होगा, क्योंकि लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा के नेतृत्व में एनडीए लगातार सत्ता पर जीती बार सत्ता में आने की कोशिश में जुटी थी, वहीं विधानसभा चुनाव में इरुमुगो के नेतृत्व में कांग्रेस, राजदा और वाम दलों का इंडियन गठबंधन लगातार दूसरी बार सत्ता पाने की कोशिश में जुटा हुआ है।

जुटेगा। इस तरह लोकसभा चुनाव में जहां एनडीए रक्षात्मक मुद्दा में था, वहीं इस बार इंडिया गठबंधन रक्षात्मक मुद्दा में होगा। जहां तक इंडिया गठबंधन की रणनीति की बात है, तो सीट शेयरिंग और दूसरे मुद्दों पर इसके घटक दलों के बीच किसी मात्राभेद की संभावना फिलहाल नजर नहीं

आही विशेष

प्रतिशत वोट हासिल किये थे और इस बार के विधानसभा चुनाव में उसके सामने इस प्रदेशन को दोहराने की चुनौती है। कांग्रेस के भीतर के वर्तमान माहौल और उसकी संगठनात्मक स्थिति के अलावा पार्टी की रणनीति को देख कर तो यही लगता है कि कांग्रेस को इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। टिकट बंटवारे से लेकर चुनाव प्रबंधन तक में उस अपना सब कुछ झोंकना होगा। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए यही है कांग्रेस की तैयारी और चुनौती, बरत रहा रहे। **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**



राकेश सिंह

क्या हुआ लोकसभा चुनाव में



राकेश सिंह

लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गयी है। तमाम दलों ने अपनी-अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने के साथ सीट शेयरिंग जैसे मुद्दों पर विचार शुरू कर दिया है। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बेदखल कर सत्तारूढ़ हुए झामुमो के नेतृत्व वाले महागठबंधन के भीतर ही विधानसभा चुनाव को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। लेकिन सबसे अधिक सक्रिय कांग्रेस है। कांग्रेस के सामने एक तरफ जहां 2019 के विधानसभा चुनाव का प्रदर्शन दोहराने की चुनौती है, वहीं लोकसभा चुनाव में उसे मिली कामयाबी को बरकरार रखने का भी चैलेंज है।

इस महीने संपन्न लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14 में से 13 सीटों पर इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की। इनमें तीन सीटों पर झामुमो ने और दो सीटें कांग्रेस ने जीतीं। जहां तक प्रत्याशी उतारने की बात है, तो कांग्रेस ने सात, झामुमो ने पांच और राजद और भाकपा माले ने एक-एक सीट पर प्रत्याशी उतारा था। 4 जून को जब परिणाम आया, तब यह बात सामने आयी कि झामुमो को 13 और कांग्रेस को 15 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल हुई। जहां तक सामान्य सीटों पर बढ़त की बात है, तो कांग्रेस को दो और झामुमो को तीन सामान्य सीटों पर बढ़त हासिल हुई। झारखंड कांग्रेस ने यह कह कर लोकसभा चुनाव परिणाम को ऐतिहासिक बताया कि 20 साल बाद कांग्रेस को राज्य में दो सीटें मिली हैं। यह उसके लिए बड़ी कामयाबी है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जिन विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली, उनमें गुमला (एसटी), बिशुनपुर (एसटी), लोहरदगा (एसटी), खरसावा (एसटी), लतमाड़ (एसटी), मांडा (एससी), तोरपा (एसटी), खुंटी (एसटी), सिसई (एसटी), सिमडेगा (एसटी), कोलेबिरा



(एसटी), खिजरी (एसटी), (पोड़ैयाहाट) और बंधु तिकी मनिका (एससी), मधुपुर और (मांडर) कांग्रेस में शामिल हो महागामा जेनरल सीटें शामिल हैं। गये, तो उसके विधायकों की

क्या हुआ था 2019 के विधानसभा चुनाव में

2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत हासिल की थी। बाद में दो विधायक, प्रदीप यादव की संख्या 17 रह गयी। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मांडू के जयप्रकाश भाई पटेल जरूर उसमें शामिल हो गये, लेकिन फिलहाल

यह साफ नहीं है कि विधानसभा में उनकी स्थिति क्या है। जहां तक वोट प्रतिशत का सवाल है, तो 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 13.88 प्रतिशत वोट मिले थे।

कांग्रेस के सामने क्या है चुनौती

कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव में 33 सीटों पर प्रत्याशी मिली थी, जबकि झामुमो के हिस्से में 43 सीटें आयी थीं

कांग्रेस का दो अधिक सीटों पर दबा पिछले विधानसभा चुनाव के बाद बदली परिस्थितियों के कारण है। मांडू के भाजपा विधायक जेपी पटेल कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं, जबकि पोड़याहाट से पिछले विधानसभा चुनाव में झामिदारी के टिकट पर लड़ने वाले प्रदीप यादव भी कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं। वह विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता भी हैं। इसलिए इन दोनों सीटों पर कांग्रेस दबा कर रही है।

प्रदेश नेतृत्व से असंतुष्ट खेमे का कहना है कि सात में से पांच सीटों पर कांग्रेस की हार हुई है। यह बहुत अच्छी स्थिति नहीं है। इसलिए प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की मांग एक बार फिर तेज होने लगी है। पिछले दिनों पाटली और से बुलायी गयी विस्तारित कार्यसमिति की बैठक से लेकर कांग्रेस विधायक दल की बैठक तक में प्रदेश प्रभारी की उपस्थिति में यह मुद्दा जोरशोर से उठाया गया।

कांग्रेस को इन सीटों पर करनी होगी मेहनत

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जिन सीटों पर मेहनत करनी होगी, उनमें से अधिकांश सामान्य सीटें हैं। इनमें जमशेदपुर पश्चिम, बर्ही, बुढ़गाँव, बेरमा, झरिया और पौड़ेयाहाट शामिल हैं। इनके अलावा लोतेहार (एससी) में भी कांग्रेस लोकसभा चुनाव में पिछड़ गयी थी।

बटक में प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकी के साथ-साथ कई आदिवासी विधायकों और मंत्रियों ने विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कमटी में बदलाव की बात कही। बंधु तिकी ने तो सात में से पांच सीटें गंवानी की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से इस्तीफे तक की मांग कर दी। इन तमाम परिस्थितियों के बीच अब यह साफ हो गया है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों में कांग्रेस

झारखंड कांग्रेस में अंतरकलह

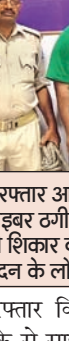
झारखंड में लोकसभा की दो सीटों पर जीत हासिल करने के बावजूद प्रदेश कांग्रेस में अंतरकलह कम नहीं हुआ है। दिया, तो उसके लिए 2019 का प्रदर्शन तो दूर की बात, लोकसभा चुनाव का प्रदर्शन दोहराना भी मुश्किल हो जायेगा।

साइबर ठगों का नया ठिकाना बनी लौहनगरी

विदेशियों को बना रहे निशाना, सात गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता
जमशेदपुर। साइबर ठगों ने जमशेदपुर को अपना ठिकाना बनाना शुरू कर दिया है। इसका खुलासा तब हुआ, जब जमशेदपुर पुलिस ने गोलमुरी मुस्लिम बस्ती में छापेमारी कर साइबर ठग गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में गोलमुरी टुइलाडारी निवासी अमरीक सिंह उर्फ रिंकु, कोलकाता दत्ता लेन निवासी विवेक गुप्ता, कोलकाता बगौड़ी टाला निवासी तुपु दास, हावड़ा निवासी गौरव चौधरी, मनीष चौधरी, संदीप कुमार राम और प्रवीण चौधरी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 13 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक लैपटॉप चार्जर, एक स्वीच मशीन और 13 एटीएम कार्ड जप्त किये। हालाँकि गिरोह का मुख्य सरगना टेल्को घड़ी पार्क के पास रहनेवाला सौरभ कुमार सिन्हा और साइबर क्राइम के लिए जगह उपलब्ध कराने वाला रमीज रजा खान पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। वहीं पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश के लिए छापेमारी कर रही है।

ऐसे बन



गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि साइबर ठगी के लिए विदेश के लोगों को शिकार बनाया जाता था। इसमें लंदन के लोगों को ज्यादा शिकार गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने मौके से साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले कई सामान भी जब्त किये। पुलिस सभी को गिरफ्तार कर थाना ले आयी, जहां पूछताछ करने के बाद सभी को रविवार को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि कुछ माह पूर्व ही जयपेशेदपुर से साइबर क्राइम के शुरुआत की है। यहां रमीज रजा खान के घर पर ठगी का काम चलता था। सभी को यहां रहने के लिए फ्लैट भी दिया गया था। इसके लिए सौरभ 30-40 हजार रुपये प्रतिमाह दिया करता था। इसके अलावा जितने रुपये ठगे जाते थे, उसके बदले कमीशन भी मिलता था। सौरभ का सालाना दीर्घ उर्फ गुरदीप सिंह खाने-पिने का सामान उपलब्ध कराता था जिस दिन कोई बड़ी ठगी होती, उस दिन शराब की पार्टी भी चलती थी। हावड़ा का रहने वाला दिलीप सौरभ को मैनपावर की सफाई भी करता था। ठगी का पैसा सौरभ सिन्हा के पास आनंदाइन के माध्यम से मंगाया जाता था।

थे लोगों को अपन



बनाया जाता था। इसलिए शाम सात बजे से काम शुरू कर दिया जाता था और यह काम सुबह सात बजे तक चलता था। इसके लिए

शिकार

अमरीक सिंह विदेशियों का डेटा उपरान्त करता था। इस दौरान लोगों से इन्टरनेट कॉलिंग के माध्यम से संपर्क कर उन्हें अपने जाल में फँसा कर रिमोट कंट्रोल एग, स्पीयर पार्सर्स एग से लोगों का मोबाइल क्लोन कर लेते थे। इसके अलावा क्रिप्टो करेंसी और वेस्टर्न यूनियन जैसी ग्राम के माध्यम से भी लोगों को ठगी का शिकार बनाया जाता था। अब तक करोड़ों रुपये की ठगी की जा चुकी है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।

पुलिस ने तीन शातिर साइबर ठग को दबोचा



गिरिडीह (आजाद सिपाही)। गिरिडीह के सरिया और गाँवसे तेज़ साइबर अपराधियों को साइबर डीएसपी आबिद खान ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों में देवघर के मधुपुर थाना इलाके के दारबे गांव निवासी जमीर अंसारी, देवघर के मारगामंडा थाना इलाके के डुमरिया गांव निवासी बांबी गुप्ता और गाँव के रसकुटो गांव उदय मंडल शामिल हैं। जानकारी के अनुसार तीनों बेहद शातिर अपराधी बताये जा रहे हैं। क्योंकि तीनों को साइबर पुलिस ने उस वक्त दबोचा, जब तीनों अलग-अलग इलाके में अपराध की योजना बाना के ही तैयारी में थे। पुलिस ने तीनों अपराधियों के पास से दो बाइक के साथ पांच मोबाइल और छह सिम कार्ड जबाब किये हैं। जानकारी के अनुसार तीनों अपराधी एसबीआई को योनों लिए भेज कर बैंक खाते से उनका अकाउंट खाली कर देते थे, जबकि पैसे की ठगी करने के लिए ए। एयरटेल पेमेंट ए। ए। इस्तेमाल करते थे। तीनों खुद को बैंक अधिकारी बन कर भी लोगों के पैसे उठाते थे। इतना ही नहीं, तीनों फर्जी सिम उल्लंघन कराने के साथ फर्जी बैंक खाता बनाने में माहिर थे। फर्जी बैंक खाता तैयार करना भी इनके पैसे की ठगी में शामिल था। तीनों ने अब तक 25 लाख से अधिक की संपत्ति इसी अपराध के जरिये अर्जित कर रखी है।

पैसा जमा नहीं करनेवाले संस्थानों को नोटिस

कोर के कैपिटल एरिया में भूमि आवंटित होने के बावजूद जिन संस्थाओं ने अब तक न तो पैसा जमा किया है और न जमीन पर कब्जा लिया है, उन्हें डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने नोटिस जारी किया है। ज़ारी नोटिस में कहा गया है कि यदि छह महीने के अंदर आवंटित जमीन का पैसा सरकारी राजकोष में जमा नहीं हुआ, तो आवंटन रद्द कर दिया जायेगा। जिन संस्थाओं ने जमीन आवंटित होने के बावजूद न तो पैसा जमा किया और न जमीन पर कब्जा लिया, उनमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक और डाक विभाग शामिल है। बता दें कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट भवन साभागार में ग्रेटर रांची विकास प्राधिकरण द्वारा क्रियांची की जानेवाली विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में कोर कैपिटल क्षेत्र में जिन संस्थाओं को भूमि आवंटित की गयी है, उनमें वैसे संस्थाओं को नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया था, जिसने आवंटित भूमि पर दखल कब्जा नहीं लिया है और न जमीन को बदलने में राशि ही जमा की है। बड़े बैठक में ही निर्देश दिया गया था कि ऐसे संस्थान यदि छह माह के अंदर आवंटित भूमि के एवज में सरकारी राजकोष में पैसा जमा कर दखल कब्जा नहीं लेते हैं, तो उनका आवंटन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाये।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें

www.azadsipahi.in आरोपी महिला को यूपी एसटीएफ की टीम ने

तब तक जुड़ा है नशीले पदार्थ का नेटवर्क

के साथ यूपी में यी महिला तस्कर



एक्शन के बावजूद नहीं थम रहा कारोबार

रांची (आजाद सipaही)।
झारखंड में बीते करीब साढ़े
तीन साल में नशे कारोबार से
जुड़े 1636 आरोपी गिरफ्तारी
हुए हैं। इन आरोपियों की
गिरफ्तारी जनवरी 2022 से
लेकर 31 मई 2024 के बीच
हुई हैं। इस दौरान पूरे राज्य में
नशे के कारोबार को लेकर
1141 केस दर्ज हुए हैं। वहीं
इस दौरान पुलिस ने 9075
किलो गांजा, 62314 किलो

शहर जहांपुर-बरेली हाइवे पर स्थित सरकड़ा मोड़ के पास पकड़ा। तलाशी के क्रम में महिला के बैग से छह किलो अफीम को पुलिस ने बरामद किया। पूछताछ में महिला ने बताया कि इसका एक गिरोह है, जो मादक पदार्थ की तस्करी करता है। बरेली के सिरौली थाना क्षेत्र के अंजनी गांव निवासी राहुल को अफीम

महिला की निशानदेही पर नेशनल हाइवे पर सरकड़ा गांव के पास से राहुल को एक किलो अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में राहुल ने बताया कि वह झारखंड से अफीम मंगाता है और हाइवे पर इसकी सप्लाई करता है। उसके साथ ही वह पंजाब के लोगों को भी सप्लाई करता है। दोनों ही तस्कर काबू अफीम की खेप ले जा चुके हैं।

डोडा, 1304 किलो अफीम और 2.064 किलो ब्राउन शुगर भी बरामद किये हैं। इसके अलावा पुलिस ने 841 ग्राम हेरोइन भी जब्त किये हैं।

जोर देकर कहा कि गोलबंद होकर आंदोलन करने की आवश्यकता है, क्योंकि कई कर्मचारियों का वेतन महीनों से रोका जा रहा है। जिला समलेन के आयोजन के लिए स्वागत समिति का गठन भी आवश्यक बताया गया। अन्य प्रतिनिधियों रामनरेश सिंह, सीताराम साहू, राममोहन साहू, हर्दिस राम और सुनील कुमार ने भी संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए अपनी बातों को रखा। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 8 सितंबर, 2024 को जिला समलेन का आयोजन किया जायेगा।

